ये अव्यक्त इशारे

सत्यता और सभ्यता रूपी कल्चर को अपनाओ

23-03-2025

जैसे बाप को ''गाड इज़ ट्रुथ'' कहते हैं, सत्यता ही बाप को प्रिय है। सच्चे दिल पर साहेब राज़ी है। तो दिल तख्तनशीन सर्विसएबुल बच्चों के सम्बन्ध-सम्पर्क में, हर संकल्प और बोल में सच्चाई और सफाई दिखाई देगी। उनका हर संकल्प, हर वचन सत होगा।

Adopt the culture of truth and good manners

It is said of the Father, "God is the Truth" and the Father loves the truth. The Lord is pleased with an honest heart. In the serviceable children who are seated on the heart throne, in their relationships and connections, in their every thought and word, honesty and cleanliness will be visible. Their every thought and every word will be the truth.